समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 24 August 2026

वृंदावन के संत प्रेमानंद महाराज को भारत रत्न देने की मांग, मैनपुरी के सामाजिक कार्यकर्ता ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

Publisher

Published on 21 Oct 2025

मैनपुरी: वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज को भारत रत्न सम्मान देने की मांग जोर पकड़ रही है। मैनपुरी के समाजसेवी और सामाजिक कार्यकर्ता श्री अरविंद सिंह ने इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में कहा है कि प्रेमानंद महाराज का योगदान केवल धार्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा, शिक्षा और सामाजिक सद्भाव फैलाने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

संत प्रेमानंद महाराज ने अपने जीवन में कई सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से गरीबों, विधवाओं और बच्चों की सहायता की है। उनके द्वारा स्थापित आश्रम और सेवा केंद्र समाज के सबसे वंचित वर्गों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। मैनपुरी के सामाजिक कार्यकर्ता का कहना है कि महाराज ने न केवल धार्मिक शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाया है, बल्कि मानवता और सेवा भाव का वास्तविक संदेश भी समाज को दिया है।

पत्र में अरविंद सिंह ने यह भी उल्लेख किया है कि प्रेमानंद महाराज का योगदान राष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय है। उन्होंने समाज में आपसी भाईचारा, सामूहिक भक्ति और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का कार्य किया है। महाराज का जीवन साधुता, त्याग और समाज सेवा का प्रतीक माना जाता है। ऐसे व्यक्तित्व को भारत रत्न सम्मान से नवाजना केवल उनके योगदान को मान्यता देना ही नहीं है, बल्कि देशभर में सेवा और नैतिक मूल्यों को प्रेरित करने का संदेश भी होगा।

संत प्रेमानंद महाराज वृंदावन में कई धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी पहल से कई विद्यालयों और शिक्षा केंद्रों की स्थापना हुई है, जहां गरीब और जरूरतमंद बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जाती है। इसके साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य शिविर, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम और वृक्षारोपण जैसे कई सामाजिक कार्यों का नेतृत्व भी किया है।

मैनपुरी के सामाजिक कार्यकर्ता का कहना है कि भारत रत्न सम्मान देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान के रूप में जाने जाता है। यह सम्मान ऐसे व्यक्तित्वों को दिया जाता है जिन्होंने देश और समाज के लिए असाधारण योगदान दिया हो। संत प्रेमानंद महाराज का जीवन और कार्य इस सम्मान के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। उन्होंने अपने जीवन को सेवा, भक्ति और समाज कल्याण में समर्पित कर दिया है।

पत्र में विशेष रूप से यह भी कहा गया है कि महाराज का योगदान केवल स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली रहा है। उनके उपदेश और कार्य देशभर के लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक रहे हैं। समाज सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को देखकर कई लोग प्रेरित हुए हैं और उनके द्वारा स्थापित सेवाकार्य केंद्रों में स्वयंसेवी गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं।

संत प्रेमानंद महाराज को भारत रत्न देने की मांग सामाजिक और धार्मिक circles में भी बढ़ रही है। कई धार्मिक संगठन और समाजसेवी समूह इस प्रयास में शामिल हुए हैं। उनका मानना है कि महाराज का जीवन और कार्य राष्ट्र के लिए आदर्श हैं और उनका सम्मान राष्ट्रीय स्तर पर होना चाहिए।

इस पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की गई है कि वे संत प्रेमानंद महाराज को भारत रत्न से नवाजें और उनके जीवन को समाज और देश के लिए प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करें। इस पहल से न केवल समाज में सेवा भाव को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को भी सम्मानित करने की परंपरा को बल मिलेगा।

इस प्रकार, मैनपुरी के समाजसेवी द्वारा प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र ने संत प्रेमानंद महाराज को भारत रत्न देने की मांग को एक नई दिशा दी है। आने वाले समय में यह देखना रोचक होगा कि राष्ट्रीय स्तर पर इस मांग पर क्या प्रतिक्रिया आती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.